NORTH-EX PUBLIC SCHOOL (Session 2020-21)
Class – 2nd
Subject - Hindi
Unit/Chapter – 2
Topic – राघवन सुधर गया
Worksheet No - 6

*Note- Before attempting the question and answers you must check the link given below which will help you understand the chapter thoroughly.

You can download the assignment or if you do not have the facility to get printout then you can ask your ward to copy the assignment in a simple notebook and must do question and answers in the notebook.

Link- https://youtu.be/JO93flLqYsE

NOTES

पाठ **-2** राघवन सुधर गया

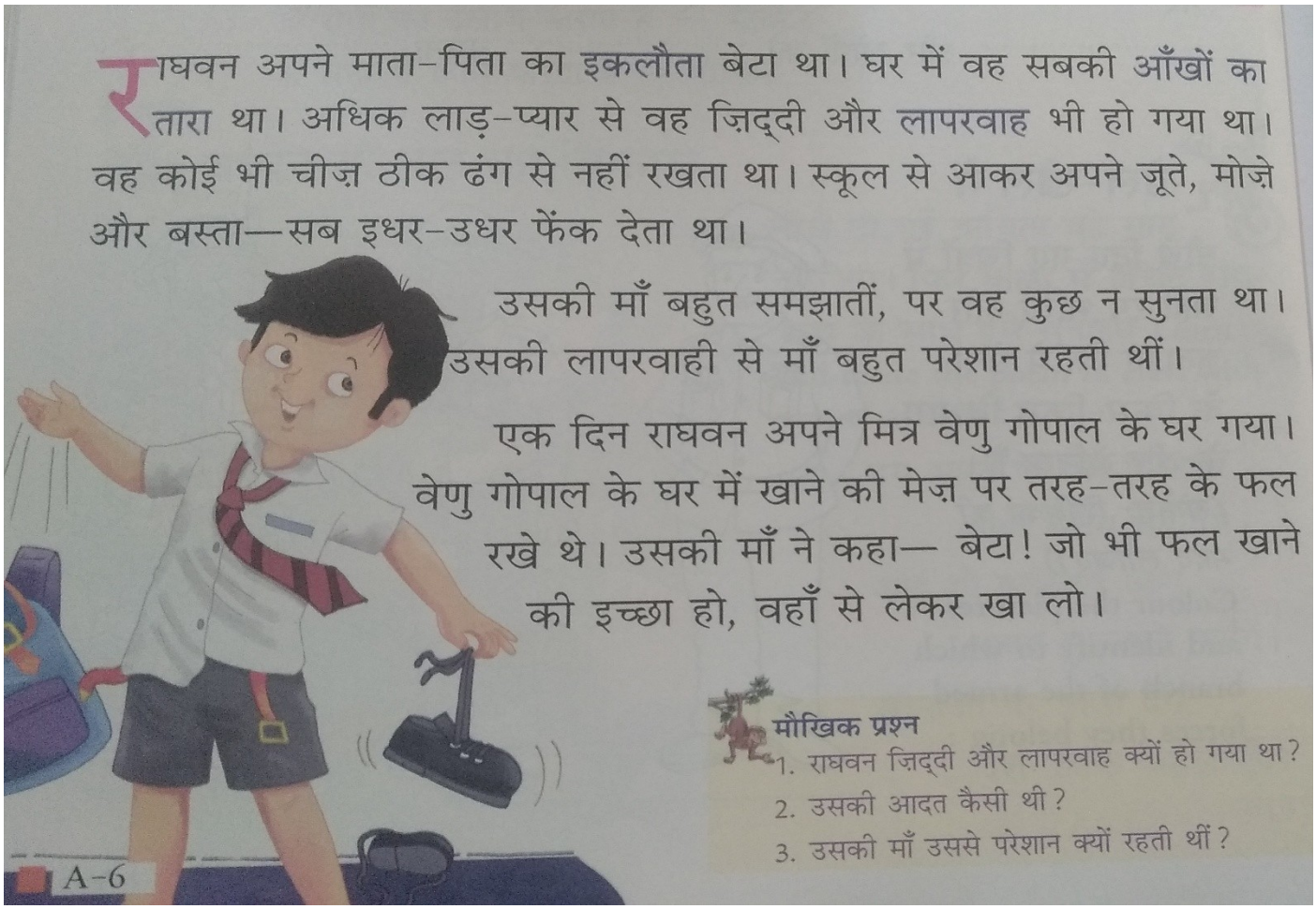

राघवन अपने माता-पिता का इकलौता बेटा था। घर में वह सबकी आँखों का तारा था। अधिक लाड़-प्यार से वह ज़िद्दी और लापरवाह भी हो गया था। वह कोई भी चीज़ ठीक ढंग से नहीं रखता था। स्कूल से आकर अपने जूते, मोज़े और बस्ता—सब इधर-उधर फेंक देता था।

उसकी माँ बहुत समझातीं, पर वह कुछ न सुनता था। उसकी लापरवाही से माँ बहुत परेशान रहती थीं।

एक दिन राघवन अपने मित्र वेणु गोपाल के घर गया। वेणु गोपाल के घर में खाने की मेज़ पर तरह-तरह के फल रखे थे। उसकी माँ ने कहा— बेटा! जो भी फल खाने की इच्छा हो, वहाँ से लेकर खा लो।

मौखिक प्रश्न

1. राघवन ज़िद्दी और लापरवाह क्यों हो गया था?
2. उसकी आदत कैसी थी?
3. उसकी माँ उससे परेशान क्यों रहती थीं?

A-6

राघवन ने एक केला उठाया और उसे छीलकर खाने लगा। खाकर छिलका वहीं फेंक दिया। वेणु ने एक संतरा लिया, तो उसने भी एक संतरा ले लिया। वेणु ने संतरे के छिलके एक प्लेट में रख दिए। राघवन ने संतरे के बीज और छिलके ज़मीन पर फेंक दिए।

वेणु गोपाल का छोटा भाई नंदू वहाँ आया। अचानक केले के छिलके पर उसका पैर पड़ा.... वह गिरा— धड़ाम... मम...। राघवन को हँसी आ गई, लेकिन वेणु हँसा नहीं, उसने जाकर अपने भाई को उठाया और प्यार से सहलाया। फिर कमरे में बिखरे छिलके और बीज उठाकर उसने कूड़ेदान में डाल दिए। यह देखकर राघवन शर्मिंदा हो गया। उसे अपनी गलती का एहसास हुआ। तब से उसने अपनी आदत सुधारने का निश्चय किया।

उस दिन से राघवन सुधर गया। अब वह सब चीज़ें सही जगह पर रखने लगा। उसकी माँ यह देखकर बहुत खुश हुई।

मौखिक प्रश्न

1. एक दिन राघवन कहाँ गया?
2. वहाँ उसने क्या-क्या खाया?
3. नंदू कैसे गिर पड़ा?

शब्दार्थ

इकलौता	=	अकेला (the only)	मित्र	=	दोस्त (friend)
आँखों का तारा	=	बहुत प्यारा (very dear)	शर्मिंदा	=	लजाया हुआ (ashamed)
लापरवाह	=	जिसे किसी की परवाह न हो (careless)	एहसास	=	अनुभव (to feel)
सहलाना	=	धीरे-धीरे हाथ फेरना (stroke)	निश्चय	=	पक्का इरादा (determination)

Worksheet

1. सही उत्तर पर (✓) का निशान लगाइए Tick (✓) the right answer :

(क) राघवन कैसा लड़का था ?

भोला-भाला ☐ ज़िद्दी और लापरवाह ☑ सफ़ाई पसंद ☐

(ख) राघवन को कौन समझाता था ?

उसका मित्र ☐ उसकी माँ ☐ उसके पिता जी ☐

(ग) राघवन के मित्र का नाम क्या था ?

नंद गोपाल ☐ नंदू ☐ वेणु गोपाल ☐

(घ) नंदू किसका भाई था ?

राघवन का ☐ वेणु गोपाल का ☐ राघवन की माँ का ☐

(ङ) वेणु ने संतरे छीलकर छिलके कहाँ रखे ?

मेज़ पर ☐ एक प्लेट में ☐ ज़मीन पर ☐

2. प्रश्नों के उत्तर लिखिए Answer the questions :

(क) राघवन की लापरवाही से कौन परेशान रहती थीं?

.....

(ख) राघवन ने केला खाकर क्या किया?

.....

(ग) नंदू को किसने उठाया?

.....

(घ) राघवन शर्मिंदा क्यों हुआ? *(मूल्यपरक प्रश्न)*

.....

.....

3. वाक्यों के आगे (✓) या (✗) का निशान लगाइए Put (✓) or (✗) mark in the sentences given below :

(क) राघवन अपने माता-पिता का इकलौता बेटा था। ✓

(ख) राघवन के मित्र का नाम चंदू था।

(ग) एक दिन राघवन अपने मित्र के घर गया।

(घ) वहाँ उसने फल खाकर छिलके कूड़ेदान में डाल दिए।

(ङ) नंदू के फिसलकर गिर जाने पर राघवन हँसने लगा।

चित्र का नाम बोलो। ड़ या ढ़ लगाकर शब्द पूरे करो—

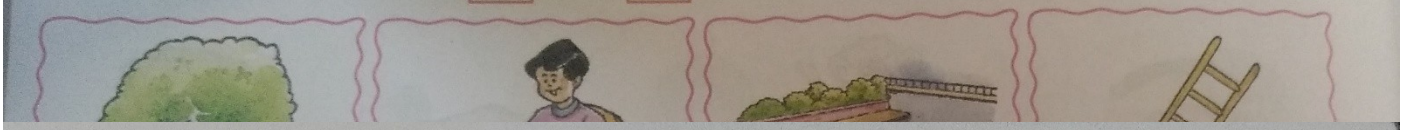

उत्तरमाला

1. (क) जिद्दी और लापरवाह (ख) उसकी माँ (ग) वेणु गोपाल
(घ) वेणु गोपाल का (ड़) एक प्लेट में

2. (क) राघवन की लापरवाही से उसकी माँ बहुत परेशान रहती थी।
(ख) राघवन नें केला खाकर छिलका वहीं फेंक दिया।
(ग) नंदू को वेणु गोपाल नें उठाया।
(घ) नंदू के गिरने पर राघवन को हँसी आ गई परंतु वेणु गोपाल हँसा नहीं उसने अपने भाई को उठाया। वेणु गोपाल नें राघवन द्वारा फेंके गए छिलके और बीज उठाकर कूड़ेदान में डाल दिए। यह देखकर राघवन शर्मिंदा हो गया।

3. (क) ☑ (ख) ☒ (ग) ☑ (घ) ☒ (ड़) ☑

ड़ और ढ़

पेड़	पढ़ना	सड़क	सीढ़ी
गाड़ी	पहाड़	चढ़ना	जड़
बढ़ई	चूड़ी	बाढ़	रबड़
साड़ी	गुड़िया	लड़ना	हथौड़ी
कड़ाही	कढ़ाई	दाढ़ी	कीड़ा